



# मेरी लेस्बियन पड़ोसन संग सेक्स का नंगा खेल

“मैं मेरे पति से खुश हूँ मगर मेरी सेक्स की भूख घटने की जगह बहुत ज्यादा बढ़ गई. एक बार वे बाहर गए तो तीसरे दिन मैं वासना से पागल होने लगी. मेरी वासना कैसे ठण्डी हुई ? ...”

**Story By:** (manjusha777)

**Posted:** Wednesday, May 1st, 2019

**Categories:** [लेस्बीयन सेक्स स्टोरीज](#)

**Online version:** [मेरी लेस्बियन पड़ोसन संग सेक्स का नंगा खेल](#)

# मेरी लेस्बियन पड़ोसन संग सेक्स का नंगा खेल

📖 यह कहानी सुनें

यह घटना अभी 15 दिन पहले मेरे साथ घटी एक सच्ची घटना है. मैं मंजू, उम्र 37 साल, कलर हल्का सांवला, शादीशुदा औरत हूँ. भगवान ने जाने क्यों मेरे बदन में सेक्स की प्यास औसत से कुछ ज्यादा ही दे रखी है.

वैसे देखा जाए तो मैं मेरे पति के साथ खुश हूँ मगर 35 साल के बाद भी मेरी सेक्स की भूख घटने की जगह बहुत ही ज्यादा बढ़ गई है. मेरे पति भी इस बात से परेशान हैं क्योंकि रात को कभी भी मेरी अचानक सेक्स की चाहत से मैं उन्हें जगा देती हूँ और उनकी मर्जी रहे या ना रहे. उन पर टूट पड़ती हूँ. कई बार उनका लंड ढीला होता है, मगर आधा आधा घंटा तक लंड चूस कर मैं उसे बड़ा बना ही लेती हूँ. सिर्फ मेरे खातिर आजकल वो कुछ एलोपैथी की टेबलेट भी लेने लगे हैं, जिसकी वजह से वो आधा घंटा बिना रुके मेरे साथ सेक्स कर सकते हैं.

मैं बता रही थी कि ये घटना 15 दिन पहले की है. हुआ यूं कि उन्हें अचानक अपनी कम्पनी के काम से एक महीने तक के लिए गुड़गाँव रहने जाना पड़ा. अब नौकरी थी, सो न भी नहीं कह नहीं सकते थे. उनके जाने की सुनकर मैं तो परेशान हो गई कि मेरा क्या होगा ? उनको साथ में फैमिली को ले जाने की परमीशन नहीं थी, तो मुझे मुंबई अपने घर ही रुकना पड़ा.

पहले दो दिन तो मैंने सरलता से निकाल लिए मगर तीसरे दिन सेक्स की चाह से मैं पागल सी हो गई. अपनी ही उंगलियां अपनी चूत में डाल डाल कर मैं अपनी भूख मिटाने की

कोशिश करती. मगर कुछ मज़ा ही नहीं आ रहा था. जिस चूत को मोटे लंड से आधा आधा घंटा रगड़वाने की आदत हो, उस चूत में उंगली क्या काम करती.

हमारे पड़ोसी मिस्टर अग्रवाल हैं. वे दोनों पति पत्नी उम्र में मुझसे पांच साल बड़े ही होंगे. अग्रवाल साब की उम्र लगभग 40-42 साल की होगी. उनके परिवार से मेरे अच्छे ताल्लुकात हैं.

उस दिन शाम के समय मेरे घर के मेनडोर की कॉलबेल बजी.

“कौन ?” मैंने अन्दर से ही पूछा.

“मैं सरला” मिसेज अग्रवाल की आवाज आई.

मैंने दरवाजा खोला. मैंने पूछा- आइए सरला जी, कहिये कैसे आना हुआ ?

“कुछ नहीं, मेरे उनका फोन था, उनको अचानक भोपल जाना पड़ा. वे दो तीन दिन नहीं आएंगे, मैं बोर हो रही थी. अचानक याद आया कि तुम भी अकेली ही हो, तो सोचा चलो तुम्हारे साथ कुछ गपशप करके जरा वक्त बिता आऊं.”

“हां आओ ना ... बल्कि मैं तो कहती हूँ कि आप ऐसा करो कि आज रात अपने फ्लैट को लॉक ही कर देना और यहीं सो जाना.”

“गुड आइडिया ... ठीक है मैं अभी आई.” ये कहकर सरला जी अपने फ्लैट को लॉक करने वापस चली गईं.

तब तक मैंने भी कपड़े बदल लिए. मैंने ब्राउन नाइटी पहनी उसके अन्दर ब्रा पैटी और पेटीकोट था. दस मिनट के बाद सरला जी आ गईं. इनके हाथ में एक बैग भी था. मैंने सोचा कि उसमें उनके कपड़े वगैरह होंगे.

मैंने पूछा- क्या खाना हो गया ?

सरला जी- हां, तुम्हारा ?

मैंने जबाव दिया- हां !

हम दोनों बात करने लगे और करीब 11 बजे मेरे बेडरूम में ही सरला सो गई.

रात को करीब 12.30 बजे मेरी नींद खुली. मैंने महसूस किया कि सरला मुझसे लिपटी हुई थी. उसके पैर मेरी कमर पर थे. मेरी नाइटी पूरी ऊपर को हुई पड़ी थी. सरला की नाइटी भी उसके जिस्म से खुली पड़ी थी. वह पैटी निकाले बिना अपनी चूत मेरी चूत पे रगड़ रही थी. उसने दोनों हाथों से मुझे कसकर पकड़ रखा था. उसके मम्मे मेरे मम्मों से पूरे दबे हुए थे.

उसके होंठ बड़ी मजबूती से मेरे होंठों से चिपक गए थे. वह मुझे जबरदस्त किस कर रही थी. मैंने आंखें बंद कर रखी थीं. मगर ज्यादा वक्त मैं भी आंखें बंद नहीं रख सकी. मुझे भी इस सब में मज़ा आने लगा था. मैंने भी अपने दोनों हाथों से उसे कस लिया और किस का जबाव किस से देने लगी.

अब मेरी जीभ उसके मुँह में घूम रही थी. मैं पूरी तरह से जाग गई और उसकी इस लेस्बो चाहत में उसका साथ देने लगी थी.

मुझे सहयोग देते हुए देखकर सरला के बदन में भी गजब की फुर्ती आ गई. अब उसने मुझे नीचे लिटाया और वो अपनी नाइटी अलग करते हुए मेरे ऊपर चढ़ गई. अब वो जोर जोर से अपनी चुत मेरी चूत पे घिस रही थी.

मैं 'अह्हह्हह ... ओह्हह्हह ... धीरेईईए ...' करते हुए कराहने लगी.

“सरला ... ओह सरला ... मेरी पैटी भी निकाल दो प्लीज़.”

उसने झट से मेरी चूत का ढक्कन मेरी पेंटी हटा दी. पेंटी हटाते वक्त मेरे पेंटीकोट का नाड़ा भी ढीला किया हुआ पड़ा था, उसने पेंटीकोट और मेरी नाइटी को भी मेरे बदन से अलग कर दिया. अब हम दोनों पूरी तरह से तैयार थे. उसने मेरी पैटी उतार फेंकी और खुद

भी अपनी ब्रा उतारने लगी.

तब तक मैंने भी अपने आपको पूरी तरह से इस लेस्बियन सेक्स के लिए रेडी कर लिया था. किसी भूखे मर्द की तरह वह मुझ पर टूट पड़ी. मैं उसके नीचे फिर से दब गई थी और हिल भी नहीं पा रही थी.

चूत से चूत रगड़ रगड़ कर हम दोनों भी पूरी गीली हो चुकी थीं. फिर हम दोनों अलग हुए ... पीठ के बल लेट कर हम दोनों कमरे की छत की तरफ देखकर बुरी तरह से हांफ रहे थे.

अब मेरी बारी थी.

इस पूरे वाकिये के दरमियान हमने एक बार भी आपस में बात नहीं की थी. मैं अचानक उठ कर बैठ गई और बेड के पास का स्विच ऑन कर दिया. अचानक से उजाला हो गया. अभी तक सब खेल अँधेरे में ही चल रहा था. मैंने सरला के नंगे बदन की तरफ देखा. मेरी तरह वो भी भरी हुई ही थी. वो दोनों पैर फैला कर पीठ के बल लेटी हुई थी. सरला की चूत से पानी बह रहा था.

अब मुझे रहा नहीं गया. मैंने पूछा- सरला, तुमने तो अपनी संतुष्टि कर ली, लेकिन मेरा क्या होगा ?

सरला बोली- मैंने मेरा तरीका ढूँढा, तुम जो चाहो मेरे साथ तुम भी कर लो.

अब मैं भी मूड में आ गई. मैं अपनी दोनों टांगों को फैलाकर मैंने मेरी चूत सरला के मुँह पर रख दी और दोनों हाथ उसके चूतड़ों के नीचे डालकर अपना मुँह उसकी चूत में घुसा दिया. हम दोनों इस वक्त 69 की पोजीशन में आ गए थे.

मैं उसकी चूत सक करने लगी. पूरी तरह से गीली हुई चूत को चाटने लगी. साथ ही साथ मैं खुद को मर्द इमेजिन करके सरला के मुँह को चूत समझकर जोर जोर से आगे पीछे होने

लगी.

सरला के हाथ भी कहां शांत थे, वह मेरे चूतड़ों पर अपने हाथ घुमा रही थी. बीच बीच में उसकी एक उंगली मेरी गांड के छेद को ड़िल कर रही थी. उसकी जीभ भी मेरी चूत में गहरी घूम रही थी.

मैं जल्दी ही गरम हो गई और अपनी फॉर्म में आ गई. मैं जोर लगा कर मेरी चूत उसके मुँह में रगड़ने लगी.

उधर उसकी एक उंगली मेरे गांड के छेद पे थी. जैसे ही मैं उछलती, उसकी थोड़ी सी उंगली, जिसमें थूक लगा हुआ था, मेरी गांड में घुस जाती. इससे मुझे बहुत ही ज्यादा मज़ा आ रहा था. अब मैं बहुत ही तेज और मादक स्वर में कराह रही थी “ऊऊह उम्मह... अहह... हय... याह... इस्स ... आआह!”

करीब दस मिनट तक मेरी चूत की चटाई हुई उसके बाद आखिर मेरी चूत सरला के मुँह में ही खाली हो गई. सरला ने भी मेरी चूत में से निकला हुआ रस चाट लिया. वो इतनी बड़ी चुसक्कड़ निकली कि मेरी चूत से निकले नमकीन शहद की एक एक बूंद चूस रही थी, निगल रही थी.

अचानक उसने करवट बदल कर मुझे नीचे ले लिया. अब वह मेरा मुँह अपनी चूत से फ़क कर रही थी. कुछ देर के रसील लेस्बियन सेक्स से हम दोनों बहुत ज्यादा थक चुके थे. हम अलग हुए और एक दूसरे की बांहों में आकर एक दूसरे के मुँह को चूसने लगे. अपनी अपनी चूत के पानी का टेस्ट और महक हमें इस वक्त चूमाचाटी में मिल रही थी.

एक दूसरे के मुँह में मुँह डाले हुए ही हम दोनों कब सो गए, पता ही नहीं चला. हमारी गहरी नींद लग गई.

सवेरे जब हम जगे, तो एक दूसरे की तरफ़ देखकर मुस्कुरा दिये.

सरला बोली- चलो आज साथ ही नहाएंगे.

हम दोनों हमारे बड़े बाथरूम में आ गई. सरला का हाथ मेरी चूत पर था. मेरा सरला की चूत पर था. ऊपर से शावर चल रहा था. हम दोनों की उंगलियां एक दूसरे की चूत की गहराई तक खेल रही थीं.

सरला ने पूछा- मंजू, क्या राजेश जी ने तुम्हें तुम्हारी गांड वाले होल में कभी फ़क किया है?

मैंने कहा- हां, राजेश ने कई बार मेरी गांड मारी है. तकलीफ़ तो होती है ... मगर मजा भी आता है.

सरला ने कहा- चलो आज मुझे राजेश समझो और घोड़ी बन जाओ.

मैं- ठीक है.

मैंने अपने पैर की उंगलियां अपने हाथों से पकड़ लीं ... और चौपाया बन गई.

अब सरला ने जो किया, वह अविस्मरणीय था. उसने वहीं बाथरूम में से ही खड़ का एक डिल्डो निकाल. उसे आधा अपनी चूत में डाल लिया और आधे में साबुन लगाकर मेरे गांड में पेल दिया. साबुन की चिकनाई की वजह से डिल्डो एक झटके से मेरी गांड के अन्दर घुसता चला गया. मुझे मजा आ गया. अब सरला आगे पीछे होने लगी. उसने अपने दोनों हाथों से मेरी कमर पकड़ रखी थी. वह बहुत देर तक खेलती रही. मैं भी अपनी गांड मराने का मज़ा ले रही थी.

आखिर थक कर उसने डिल्डो बाहर निकाल दिया और खुद पीठ के बल लेट गई. उसने मुझे ऊपर आने को कहा. अब मैंने आधा डिल्डो अपनी चूत में डालकर हिलना शुरू किया. ऊऊह ... वाह ... क्या मज़ा आ रहा था. हम दोनों के होंठों ने एक दूसरे को बंद कर रखा था.

आखिर थक कर हम अलग हुए.

मैंने कहा- सरला, एक बात पूछूँ ?

“हां पूछो न बिंदास..”

“रात की बेड की बात तो मैं समझ सकती हूँ ... मगर ये बाथरूम में डिल्डो कहां से आया ?”

“हहहहहा ...” करके सरला हंस पड़ी.

मैं समझ गई कि सरला ने सोच समझ कर सब मैनेज किया था.

उसने कहा- रात को मुझे मालूम ही नहीं था कि तुम भी मेरी तरह लेस्बियन सेक्स में मेरा साथ दोगी. इसलिए मैंने रात को इसे तुम्हारे बाथरूम में ही छिपा दिया था. मगर रात की हमारी पहली लेस्बो कबड्डी में मुझे इतना मजा आया कि मैं इस नकली लंड रबर के डिल्डो को भूल ही गई. सुबह जब बाथरूम में आई तब मुझे इस नकली लंड की याद आई.

फिर हम दोनों ने लेस्बियन सेक्स के साथ एक दूसरे की सेक्स की चाहतों को शेयर किया तो मालूम हुआ कि वो भी बड़ी चुदक्कड़ थी.

उसने बताया कि मुझे अपने पति के लंड से एक बार चुद कर संतुष्टि नहीं मिलती थी, इसलिए मैंने ये डिल्डो खरीदा है.

बात आगे बढ़ी, तो हम लोग पराए मर्द से चुदने की बात भी सोचने लगे. हालांकि अभी कुछ फाइनल नहीं किया है, लेकिन जब भी किसी कॉलब्वॉय या अन्य मर्द से चुदना होगा, तो सेक्स स्टोरी लिख कर आप सभी को जरूर बताऊंगी.

नमस्ते ... मेरी ये सेक्स कहानी कैसी लगी, प्लीज़ कमेंट्स जरूर करें.

manjusha777@hotmail.com

## Other stories you may be interested in

### बैंक की नौकरी के लिए मेरा गैंगबैंग

सभी पाठकों को मेरा नमस्कार. यह मेरी पहली सेक्स कहानी है, जो आज से 3 साल पहले की है. सबसे पहले मेरा परिचय आपको दे रही हूँ. मेरा नाम प्रिया गंगवार है और मैं 24 साल की हूँ. मैं झाँसी [...]

[Full Story >>>](#)

### कामुकता की इन्तेहा-17

दोस्तो, मेरी सेक्स कहानी के अगले भाग भेजने में हुई देरी के लिए माफी. अभी तक आपने पढ़ा कि मैं अपने यार दिल्ली और उसके दोस्त काला से जम कर चुद रही थी. दोनों ने मेरी चूत के साथ साथ [...]

[Full Story >>>](#)

### मेरी बीवी की उलटन पलटन-4

मेरी ज़िन्दगी मस्त चल रही थी। अजय अब सिर्फ आधार कार्ड में था। मुझे लगता ही नहीं था कि मैं आदमी हूँ। अब मैं खुद को औरत समझती थी और अपने दोनों पतियों अंशु और उपेंद्र के साथ खुश रहती [...]

[Full Story >>>](#)

### अंकल ने मेरी कुंवारी बुर की सील फाड़ दी

नमस्कार दोस्तो, मैं वैशाली हूँ. मैं एकदम गोरी, स्लिम और 21 वर्ष की एक मध्यम वर्ग की लड़की हूँ. मेरे परिवार में मेरी मम्मी, जो कि एक हाँउस वाइफ हैं, मेरे भैया जो कि 25 वर्ष के हैं और एक [...]

[Full Story >>>](#)

### मेरी बीवी की उलटन पलटन-3

डॉक्टर और अंशु ने मुझे अपना अपना मूत सीधे अपनी चूत से पिलाया और फिर हम तीनों बिस्तर पे आ गए। “अंशु पेल दे अपनी बीवी को!” “आशा जी पहले आप!” “चल फिर कामिनी पोजीशन ले ले!” मैं घोड़ी बन [...]

[Full Story >>>](#)

